



भारत का राजपत्र The Gazette of India

साप्ताहिक/WEEKLY

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 31] नई दिल्ली, शनिवार, जुलाई 31—अगस्त 6, 2010 (श्रावण 9, 1932)
No. 31] NEW DELHI, SATURDAY, JULY 31—AUGUST 6, 2010 (SRAVANA 9, 1932)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 4

[PART III—SECTION 4]

[सांविधिक निकायों द्वारा जारी की गई विविध अधिसूचनाएं जिसमें कि आदेश, विज्ञापन और सूचनाएं सम्मिलित हैं]
[Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies]

भारतीय बीमांकक संस्थान

मुंबई, दिनांक 2010

प्रारूप विनियम

भारतीय बीमांकक संस्थान परिषद्, केंद्रीय सरकार के पूर्व अनुमोदन से, बीमांकक अधिनियम, 2006 (2006 का 35) की धारा 56 की उपधारा (2) के खंड (ट), खंड (ठ) और खंड (ड) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए निम्नलिखित विनियम बनाती है, अर्थात्--

1. संक्षिप्त नाम और प्रारंभ--

(1) इन विनियमों का संक्षिप्त नाम भारतीय बीमांकक संस्थान (रजिस्टर का रखरखाव, सूची का प्रकाशन और रजिस्टर में सदस्यों के नामों की पुनः प्रविष्टि) विनियम, 2010 है।

(2) ये राजपत्र में उनके प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. परिभाषाएं--

(1) इन नियमों में, जब तक संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो,--

(क) "अधिनियम" से बीमांकक अधिनियम, 2006 (2006 का 35) अभिप्रेत है;

(ख) "परिषद्" से संस्थान की परिषद् अभिप्रेत है;

(ग) "प्रारूप" से इन विनियमों से संलग्न प्रारूप अभिप्रेत है;

सं. एम-19012/03/2008-बीमा-III--निम्नलिखित प्रारूप विनियम, जिसका भारतीय बीमांकक संस्थान परिषद्, केंद्रीय सरकार के पूर्व अनुमोदन से प्रस्ताव करती है, बीमांकक अधिनियम, 2006 (2006 का 35) की धारा 56 की उपधारा (1) की अपेक्षानुसार उन सभी व्यक्तियों की जानकारी के लिए प्रकाशित किया जाता है, जिनके उससे प्रभावित होने की संभावना है; और यह सूचना दी जाती है कि उक्त प्रारूप विनियम पर, उस तारीख से, जिसको उस राजपत्र की प्रतियां, जिसमें अधिसूचना प्रकाशित की जाती है, जनता को उपलब्ध करा दी जाती है, पैंतालीस दिन की समाप्ति के पश्चात् विचार किया जाएगा;

आक्षेप या सुझाव, महासचिव, भारतीय बीमांकक संस्थान परिषद्, 302, इन्डियन ग्लोब चैम्बर्स, 142, फोर्ट स्ट्रीट, मुम्बई-400001 को भेजे जा सकेंगे;

ऐसे आक्षेपों या सुझावों पर, जो उक्त प्रारूप विनियम की बाबत किसी व्यक्ति से, उक्त अवधि की समाप्ति के पूर्व प्राप्त किए जा सकेंगे, भारतीय बीमांकक संस्थान परिषद् द्वारा विचार किया जाएगा।

(घ) "संस्थान" से अधिनियम की धारा 3 के अधीन गठित भारतीय बीमांकक संस्थान अभिप्रेत है;

(ङ) "सदस्यों की सूची" से इन विनियमों के अधीन प्रत्येक वर्ष की 1 अप्रैल को संस्थान द्वारा प्रकाशित सदस्यों की सूची अभिप्रेत है;

(च) "रजिस्टर" से संस्था द्वारा पोषित सदस्यों का रजिस्टर अभिप्रेत है।

(2) उन शब्दों और पदों के, जो इसमें प्रयुक्त किए गए हैं और जिन्हें परिभाषित नहीं किया गया है, परंतु अधिनियम में परिभाषित हैं, क्रमशः वही अर्थ होंगे जो उनके अधिनियम में हैं।

3. रजिस्टर में प्रविष्टि :--

(1) अधिनियम की धारा 3 की उपधारा (1) के उपबंधों के अधीन रहते हुए उसमें निर्दिष्ट व्यक्तियों के नाम रजिस्टर में प्रविष्ट किए जाएंगे।

(2) कोई व्यक्ति अधिनियम की धारा 6 के अधीन अधिकथित अपनी पात्रता पूरी करने और अन्य शर्तों तथा इस निमित्त संस्थान द्वारा तदधीन बनाए गए विनियमों के अधीन रहते हुए रजिस्टर में अपना नाम प्रविष्ट करवाने के लिए हकदार होगा।

4. रजिस्टर का रखरखाव :--

(1) परिषद् प्ररूप में संस्थान के सदस्यों का एक रजिस्टर रखेगा।

(2) रजिस्टर में अधिनियम की धारा 23 की उपधारा (2) में निर्दिष्ट संस्थान के प्रत्येक सदस्य की विशिष्टियां सम्मिलित होंगी।

(3) रजिस्टर साफ्ट प्ररूप में अंकीय रूप से रखा जाएगा जिसमें रजिस्टर में भंडारित आंकड़ों और विशिष्टियों की संरक्षा के लिए और परिषद् के समाधानप्रद रूप में उसमें अंतर्विष्ट जानकारी के उचित अद्यतन, भंडारण तथा सुधार के लिए पर्याप्त अंतर्निर्मित सुरक्षा विशेषताएं होंगी।

(4) रजिस्टर को समय-समय पर अद्यतन किया जाएगा जिससे उसमें सदस्यों के पते, टेलीफोन नम्बर, ई-मेल पहचान में परिवर्तन तथा रजिस्टर में अंतर्विष्ट सदस्यों की बाबत ऐसी अन्य जानकारी को परिलक्षित किया जा सके।

(5) सदस्य, संस्थान को रजिस्टर में अंतर्विष्ट अपनी विशिष्टियों के किसी भी परिवर्तन को सूचित करेगा और ऐसी जानकारी की प्राप्ति पर, परिषद् ऐसी सूचना की प्राप्ति की तारीख से दो मास की अवधि के भीतर रजिस्टर की विशिष्टियों को अद्यतन कराएगी।

परंतु किसी परिवर्तन को अद्यतन करने में हुई कोई आकस्मिक या अवधानता, कोई त्रुटि या चूक रजिस्टर को अविधिमानी नहीं करेगी।

5. सदस्यों की सूची का प्रकाशन :--

(1) परिषद्, प्रत्येक वर्ष आगामी 30 जून को या उसके पूर्व 1 अप्रैल को यथाविद्यमान सदस्यों की एक सूची प्रकाशित करेगी।

(2) सदस्यों की सूची संस्थान की वेबसाइट पर प्रकाशित की जाएगी।

(3) सदस्यों की सूची में निम्नलिखित जानकारी अंतर्विष्ट होगी, अर्थात् :--

(क) सदस्य का नाम

(ख) सदस्य की अर्हता

(ग) सदस्यता प्राप्ति (अध्येता या अवैतनिक अध्येता या सहयुक्त)

(घ) सदस्यता प्राप्ति प्राप्त करने का वर्ष

(ङ) सदस्यता संख्या

(च) अभिलेख पर यथा विद्यमान पत्र व्यवहार का पता और संपर्क व्यौरे (जिनके अंतर्गत टेलीफोन और मोबाइल नंबर तथा ई-मेल आईडी भी है)

(4) यदि कोई सदस्य, सदस्यों की सूची की प्रति के लिए लिखित में अनुरोध करता है तो वह उसे दो हजार पांच सौ रुपए से अनधिक ऐसी रकम, को परिषद् द्वारा समय-समय पर अवधारित की जाए, के संदाय पर उपलब्ध कराई जाएगी।

(5) सदस्यों की सूची की एक प्रति लिखित में अनुरोध प्राप्त होने पर दो सौ पचास रुपए से अनधिक की ऐसी रकम, जो परिषद् द्वारा समय-समय पर अवधारित की जाए, के संदाय पर डिस्केट की फ्लापी में सदस्यों को उपलब्ध कराई जाएगी।

5. वार्षिक सदस्यता फीस :--

सदस्यों द्वारा संदेय वार्षिक सदस्यता फीस प्रतिवर्ष दस हजार रुपए से अनधिक की ऐसी रकम होगी जो परिषद् द्वारा समय-समय पर अवधारित की जाए :

परंतु ऐसे सदस्यों द्वारा, जिनका रजिस्टर में पत्र व्यवहार का पता भारत से बाहर का है, संदेय वार्षिक सदस्यता फीस संयुक्त राज्य के चार सौ डालर प्रतिवर्ष से अनधिक की ऐसी रकम होगी जो परिषद् द्वारा समय-समय पर अवधारित की जाए।

6. सदस्यों के नाम में पुनः प्रविष्टि :--

(1) परिषद् आदेश द्वारा, किसी ऐसे सदस्य का नाम पुनः प्रविष्ट कर सकेगी जिसका नाम इस विनियम में विनिर्दिष्ट शर्तों और अपेक्षाओं का पूरा होने के पश्चात् अधिनियम की धारा 24 के खंड (ख), (ग), (घ) और (ङ) में निर्दिष्ट किसी आधार पर, कारणवश रजिस्टर से हटा दिया गया है।

(2) परिषद् किसी ऐसे सदस्य का, जिसका नाम रजिस्टर से हटाया गया है, यदि वह उप विनियम (3) में विनिर्दिष्ट फीस के संदाय पर रजिस्टर में अपना नाम प्रविष्ट करने के लिए अन्यथा पात्र है, तो ऐसे सदस्य से लिखित में आवेदन पर उसका नाम पुनः प्रविष्ट कर सकेगी।

परंतु परिषद्, उसकी दशा में, जहां किसी सदस्य का नाम अधिनियम की धारा 24 के खंड (ग) के अधीन हटाया था, वहां उसी वर्ष में जिसमें नाम हटाया गया था, सभी बाबत संपूर्ण आवेदन प्राप्त होने पर रजिस्टर में ऐसे सदस्य का नाम उस तारीख से जिसको, उसे हटाया गया था, पुनः प्रविष्ट कर सकेगी।

(3) पुनः प्रविष्टि के लिए संदेय फीस उस वर्ष के लिए वार्षिक अभिदाय की रकम के बराबर होगी जिसके दौरान उसका नाम उस वर्ष के लिए जिसमें नाम हटाया गया था वार्षिक अभिदाय सहित रजिस्टर में पुनः प्रविष्ट किया गया है।

(4) (क) जहां ऐसा नाम अधिनियम की धारा 11 के खंड (क) और खंड (घ) के अधीन हटाया गया था वहां परिषद् रजिस्टर में नाम की पुनः प्रविष्टि के लिए आवेदन प्राप्त होने पर उस मामले को अधिनियम की धारा 26 की उपधारा (1) के अधीन गठित अनुशासनिक समिति को निर्दिष्ट करेगी।

(ख) परिषद्, खंड (क) में निर्दिष्ट अनुशासनिक समिति की रिपोर्ट प्राप्त होने पर यदि वह अनुशासनिक समिति द्वारा उसे सुलझा दिया जाता है और शर्तों के पूरा किए जाने पर तथा ऐसी समिति द्वारा अधिरोपित शास्ति के संदाय पर उप नियम (3) में विनिर्दिष्ट फीस के संदाय पर ऐसे सदस्य का नाम रजिस्टर में पुनः प्रविष्टि करेगी।

प्रारूप [विनियम 4(1) देखिए] भारतीय बीमांककी संस्थान सदस्यों का रजिस्टर
सदस्य सं.
नाम : प्रथम, मध्य, उपनाम
लिंग : पुरुष/स्त्री
जन्म की तारीख : दिन/मास/वर्ष
निवास का पता :
निवास संसूचना ब्यौरे : टेली : फैक्स : ई-मेल : मोबाइल :
वृत्तिक पता :
वृत्तिक संसूचना ब्यौरे : टेली : फैक्स : ई-मेल :
सदस्यों की सूची में मुद्रित करने के लिए पता : निवास/वृत्तिक
संसूचना के लिए पता : निवास/वृत्तिक
सदस्यता प्रारिथ्यति : अध्येता/अवैतनिक अध्येता/सहबद्ध
अन्य अर्हताएं :
सदस्य के रूप में प्रवेश की तारीख :
चालू सदस्यता वर्ग में प्रवेश की तारीख :
व्यवसाय प्रमाण पत्र कब तक विधिमान्य है :
व्यवसाय का क्षेत्र :
वर्ष के लिए संदत्त अंतिम अभिदाय : (वर्ष-वर्ष) जैसे 07-08
सदस्य के विरुद्ध अनुशासनिक कार्रवाई, यदि कोई हो :
शास्ति की प्रकृति : शास्ति अधिरोपण की तारीख :
अन्य ब्यौरे, यदि कोई हों :

नाम.....

पदनाम.....

सं. एम-18012/03/2008-बीमा-III--निम्नलिखित प्रारूप विनियम, जिसका भारतीय बीमांकक संस्थान परिषद्, केंद्रीय सरकार के पूर्व अनुमोदन से प्रस्ताव करती है, बीमांकक अधिनियम, 2006 (2006 का 35) की धारा 56 की उपधारा (1) की अपेक्षानुसार उन सभी व्यक्तियों की जानकारी के लिए प्रकाशित किया जाता है, जिनको उससे प्रभावित होने की संभावना है; और यह सूचना दी जाती है कि उक्त प्रारूप विनियम पर, उस तारीख से, जिसको उस राजपत्र की प्रतियां, जिसमें अधिसूचना प्रकाशित की जाती है, जनता को उपलब्ध करा दी जाती है, पैंतालीस दिन की समाप्ति के पश्चात् विचार किया जाएगा;

आक्षेप या सुझाव, महासचिव, भारतीय बीमांकक संस्थान परिषद्, 302, इन्डियन ग्लोब चैम्बर्स, 142, फोर्ट स्ट्रीट, मुम्बई-400001 को भेजे जा सकेंगे;

ऐसे आक्षेपों या सुझावों पर, जो उक्त प्रारूप विनियम की बाबत किसी व्यक्ति से, उक्त अवधि की समाप्ति के पूर्व प्राप्त किए जा सकेंगे, भारतीय बीमांकक संस्थान परिषद् द्वारा विचार किया जाएगा।

प्रारूप विनियम

भारतीय बीमांकक संस्थान परिषद्, केंद्रीय सरकार के पूर्व अनुमोदन से, बीमांकक अधिनियम, 2006 (2006 का 35) की धारा 56 की उपधारा (2) के खंड (ज) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए निम्नलिखित विनियम बनाती है, अर्थात्--

1. संक्षिप्त नाम और प्रारंभ :--

(1) इन विनियमों का संक्षिप्त नाम भारतीय बीमांकक संस्थान (परिषद् की अधिवेशनों में कारबार संव्यवहार) विनियम, 2010 है।

(2) ये राजपत्र में उनके प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. परिभाषाएं :--

(1) इन विनियमों में, जब तक संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो,--

(क) "अधिनियम" से बीमांकक अधिनियम, 2006 (2006 का 35) अभिप्रेत है;

(ख) "परिषद्" से संस्थान की परिषद् अभिप्रेत है;

(ग) "संस्थान" से अधिनियम की धारा 3 के अधीन गठित भारतीय बीमांकक संस्थान अभिप्रेत है;

(घ) "अध्यक्ष" से परिषद् का अध्यक्ष अभिप्रेत है।

(2) उन शब्दों और पदों के, जो इसमें प्रयुक्त किए गए हैं और जिन्हें परिभाषित नहीं किया गया है, परंतु अधिनियम में परिभाषित हैं, क्रमशः वही अर्थ होंगे जो उनके अधिनियम में हैं।

3. परिषद् के अधिवेशन :--

परिषद् प्रत्येक वर्ष में कम से कम चार बार ऐसे समय और स्थान पर अधिवेशन करेगी जो अध्यक्ष विनिश्चित करें।

परंतु दो अधिवेशनों के बीच का समयान्तर एक सौ बीस दिन से अधिक नहीं होगा।

4. परिषद् का विशेष अधिवेशन :--

(1) अध्यक्ष या उसकी अनुपस्थिति में उपाध्यक्ष किसी भी समय परिषद् का विशेष अधिवेशन बुला सकेगा।

(2) परिषद् का विशेष अधिवेशन तत्समय परिषद् के एक चौथाई से अन्यून सदस्यों द्वारा सचिव को लिखित में भेजे गए अनुरोध पर किसी भी समय बुलाया जा सकेगा।

परंतु इस उपविनियम में निर्दिष्ट विशेष अधिवेशन ऐसे अनुरोध की प्राप्ति की तारीख से पैंतालीस दिन के भीतर बुलाया जाएगा।

(3) उपविनियम (2) में निर्दिष्ट अनुरोध उस विचारार्थ कारबार का, जिसका विशेष अधिवेशन बुलाया जाना है, एक विवरण उपवर्णित करेगा और यह ऐसे विशेष अधिवेशन की कार्य सूची होगी।

परंतु इस प्रकार बुलाए गए विशेष अधिवेशन में, कार्य सूची में उल्लिखित कारबारों से भिन्न कोई कारबार नहीं किया जाएगा।

5. परिषद् के अधिवेशन की सूचना :--

(1) अधिवेशन के समय और स्थान की सूचना परिषद् के प्रत्येक सदस्य के रजिस्ट्रीकृत पते पर या तो प्रमाणित डाक के अधीन या इलैक्ट्रॉनिक रूप से डाक द्वारा ऐसे अधिवेशन की तारीख से कम से कम सात दिन पहले भेजी जाएगी और ऐसी सूचना में अधिवेशन में संव्यवहार किए जाने वाले कारबार का विवरण अंतर्विष्ट होगा।

(2) परिषद् विशेष अधिवेशन से भिन्न अपने किसी अधिवेशन में, यदि परिषद् के दो तिहाई सदस्य अधिवेशन में उपस्थित हैं तो अध्यक्ष की अनुमति से कार्यसूची में वर्णित कारबार से भिन्न ऐसे कारबार पर, जिसकी परिषद् के सदस्यों को पूर्व सूचना नहीं दी गई थी, विचार कर सकेगी।

(3) परिषद् के बुलाए गए अधिवेशन में विचार किए गए किसी मद पर परिषद् के किसी विनिश्चय की विधिमान्यता को केवल इस कारण से प्रश्नगत नहीं किया जाएगा कि उक्त मद की सूचना उन सदस्यों को नहीं दी गई थी जिन्होंने उक्त अधिवेशन में भाग नहीं लिया था।

6. बैठक का अध्यक्ष :--

अध्यक्ष या उसकी अनुपस्थिति में उपाध्यक्ष या दोनों की अनुपस्थिति में, विद्यमान सदस्यों में से निर्वाचित सदस्य परिषद् के अधिवेशन की अध्यक्षता करेगा।

7. बैठक की गणपूर्ति :--

(1) परिषद् के कुल सदस्यों के एक बराबर चार सदस्य परिषद् के अधिवेशन के लिए गणपूर्ति का गठन करेंगे।

(2) यदि, अधिवेशन के लिए नियत समय से आधे घंटे के भीतर गणपूर्ति नहीं होती है तो अधिवेशन ऐसे समय, तारीख और स्थान के लिए स्थगित कर दिया जाएगा जो बैठक का अध्यक्ष नियत करे।

(3) उपविनियम (2) के अधीन स्थगित अधिवेशन के लिए कोई गणपूर्ति अपेक्षित नहीं होगी।

8. अधिवेशन का स्थगन :--

(1) इन विनियमों के उपबंधों के अधीन रहते हुए, परिषद् के अधिवेशन का अध्यक्ष, अधिवेशन में उपस्थित सदस्यों के बहुमत से ऐसे समय और स्थान के लिए जो वह विनिश्चित करे, अधिवेशन स्थगित कर सकेगा और

ऐसे अधिवेशन में छोड़े गए अधूरे कार्यों से भिन्न कोई कार्य किसी स्थगित अधिवेशन में नहीं किया जाएगा।

(2) किसी आस्थगित अधिवेशन की कोई सूचना तब तक नहीं दी जाएगी जब तक आस्थगन के लिए संकल्प द्वारा ऐसा कोई निदेश न दिया जाए।

9. कारबार के संव्यवहार की प्रक्रिया :--

(1) परिषद् का कार्य सामान्यतः परिषद् के अधिवेशन में किया जाएगा।

(2) उपविनियम (1) में अंतर्विष्ट किसी बात के होते हुए, अध्यक्ष या उसकी अनुपस्थिति में उपाध्यक्ष समुचित मामले में, किसी प्रश्न के विनिश्चय के लिए परिषद् के सदस्यों को या सुसंगत कागजपत्रों सहित संकल्प का परिचालन करवा सकेगा :

परंतु यदि परिषद् के एक चौथाई सदस्य यह अपेक्षा करते हैं कि परिचालित किया गया किसी संकल्प का अधिवेशन में विनिश्चय किया जाए तो यथास्थिति अध्यक्ष या उपाध्यक्ष परिचालन से सुसंगत कागजपत्रों सहित संकल्प को वापस ले लेगा और परिषद् के अधिवेशन में संकल्प पर विचार कराएगा।

(3) जहां किसी प्रश्न से संबंधित संकल्प सदस्यों में परिचालित किया जाता है, वहां ऐसे संकल्प के परिचालन की तारीख से आरंभ होने वाली पंद्रह दिन से अन्यून की अवधि इस प्रश्न पर कोई विनिश्चय किए जाने पूर्व व्यपगत हो जाएगी।

परंतु कोई विनिश्चय ऐसी अवधि की समाप्ति से पूर्व किया जा सकेगा, यदि तत्समय पदासोन परिषद् के कम से कम तीन चौथाई सदस्यों की राय कार्यालय को पहले प्राप्त हो जाती है।

(4) सभी सुसंगत कागजपत्रों सहित संकल्प का परिचालन परिषद् के सभी सदस्यों को या तो इलैक्ट्रॉनिक ढंग से या प्रमाणित डाक के अधीन डाक द्वारा भेजा जा सकेगा।

(5) परिचालन द्वारा पारित प्रत्येक संकल्प परिषद् के सभी सदस्यों को संसूचित किया जाएगा और परिषद् के अगले अधिवेशन में नोट किया जाएगा।

10. अधिवेशन का विनिश्चय :--

परिषद् के अधिवेशन में, विनिश्चय उपस्थित सदस्यों के बहुमत से लिया जाएगा और मतों के बराबर होने की दशा में ऐसे अधिवेशन के अध्यक्ष का मत निर्णायक होगा।

11. परिषद् के अधिवेशन का कार्यवृत्त :--

(1) परिषद् के प्रत्येक अधिवेशन का कार्यवृत्त सचिव द्वारा अभिलिखित किया जाएगा, और सचिव की अनुपस्थिति में, कार्यवृत्त परिषद् के ऐसे अन्य सदस्य द्वारा, जैसा अधिवेशन के अध्यक्ष द्वारा विनिश्चय किया जाए, अभिलिखित किया जाए।

(2) ऐसे अधिवेशन का कार्यवृत्त सदस्यों द्वारा अनुमोदित किए जाने और अगले अधिवेशन के अध्यक्ष द्वारा हस्ताक्षरित किए जाने के पश्चात् अधिवेशन की कार्यवाहियों का पर्याप्त साक्ष्य होगा।

नाम.....

पदाभिधान.....

कर्मचारी राज्य बीमा निगम

नई दिल्ली, दिनांक 30 जून 2010

सं. एन-15/13/1/2/2010-यो. एवं वि.--कर्मचारी राज्य बीमा (सामान्य) विनियम-1950 के विनियम 95-क के साथ पठित कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 46(2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के अनुसरण में महानिदेशक ने 1 जून, 2010 ऐसी तारीख के रूप में निश्चित की है जिससे उक्त विनियम-95-क तथा आन्ध्र प्रदेश कर्मचारी राज्य बीमा नियम-1955 में निर्दिष्ट चिकित्सा हितलाभ आन्ध्र प्रदेश राज्य में निम्नलिखित क्षेत्रों में बीमांकित व्यक्तियों के परिवारों पर लागू किए जाएंगे, अर्थात् :

"आंध्र प्रदेश राज्य के विशाखापट्टणम् जिले के अनकापल्ली मण्डल के संपतपुरम् राजस्व गांव में स्थित सभी क्षेत्र।"

आर. सी. शर्मा
निदेशक (यो. एवं वि.)

कोलकाता-12, दिनांक 11 मई 2010

सं. यू. 13/12/पीटीएमआर/(1)/व.रा.चि.आ./2010--क.रा.बी. निगम की बैठक दिनांक 25.04.1951 में पारित संकल्प के अनुसार निगम की शक्तियां क.रा.बी. विनियम (सामान्य) विनियम 1950 के विनियम 105 के अन्तर्गत महानिदेशक में सन्निहित किया गया है तथा मुख्यालय पत्रांक

यू. 13/12/13/2005-चि.1/पी.टी.एम.आर. दिनांक 09.09.2008 के द्वारा महानिदेशक के आदेश से ऐसी शक्तियां एस.एस.एम.सी./एस.एम.सी. को प्रत्यायोजित की गई हैं। अधोहस्ताक्षरी ने निर्धारित मानकों के अनुरूप मासिक वेतन पर निम्नलिखित चिकित्सकों को उनके नाम के समक्ष दर्शाए गए तारीख से या जब तक पूर्णकालिक चिकित्सा निर्देशी कार्यग्रहण नहीं करते, दोनों में से जो भी पहले हो, निम्नांकित क्षेत्रों के आबंटित केन्द्रों के बीमाकृत व्यक्तियों की चिकित्सा जांच एवं मूल प्रमाण-पत्र के संदिग्ध होने की स्थिति में आगे का प्रमाणपत्र प्रदान करने के उद्देश्य से चिकित्सा प्राधिकारी के रूप में कार्य करने के लिए प्राधिकृत किया है :--

क्र. सं.	डाक्टरों का नाम	अवधि	केन्द्र का नाम
1.	डॉ. एच.के. शर्मा	01.01.2010 से 31.12.2010 तक	गुवाहाटी या पूर्णकालिक चिकित्सा निर्देशी के कार्यग्रहण करने तक
2.	डॉ. सूभाष चंद्र चक्रवर्ती	19.05.2010 से 31.12.2010 तक	कोलकाता या पूर्णकालिक चिकित्सा निर्देशी के कार्यग्रहण करने तक

एस. के. चौधरी
वरिष्ठ राज्य चिकित्सा आयुक्त (पू.क्षे.)

INSTITUTE OF ACTUARIES OF INDIA

Mumbai, the 2010

No. M-19012/03/2008-Ins.III—The following draft regulation which the Council of the Institute of Actuaries of India, proposes with the previous approval of the Central Government is hereby published as required under sub-section (1) of Section 56 of the Actuaries Act, 2006 (35 of 2006), for the information of all persons likely to be affected thereby; and notice is hereby given that the said draft regulation will be taken into consideration after the expiry of the forty-five days from the date on which the Official Gazette in which the notification is published are made available to the public;

Objections or suggestions may be forwarded to the Secretary General, Council of the Institute of Actuaries of India, 302, Indian Globe Chambers, 142, Fort Street, Mumbai-400001.

Objections or suggestions which may be received from any person in respect of the said draft regulation before the expiry of the said period, will be taken into consideration by the Council of the Institute of Actuaries of India.

DRAFT REGULATION

In exercise of the powers conferred by clauses (k), (l) and (m) of Sub-section (2) of Section 56 of the Actuaries Act, 2006 (35 of 2006), the Council of the Institute of Actuaries of India, with the previous approval of the Central Government, hereby makes the following regulations, namely :—

1. Short Title and Commencement :—

(1) These regulations may be called the Institute of Actuaries of India (Maintenance of Register, Publication of List, and Re-entry of names in Register, of Members) Regulations, 2010.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Definitions :—

(1) In these regulations, unless the context otherwise requires,—

- (a) "Act" means the Actuaries Act, 2006 (35 of 2006);
- (b) "Council" means the Council of the Institute;
- (c) "Form" means a form appended to these regulations;
- (d) "Institute" means the Institute of Actuaries of India constituted under Section 3 of the Act;
- (e) "List of members" means the list of members published by the Institute as on the 1st day of April of each year under these Regulations;
- (f) "Register" means the register of the members maintained by the Institute.

(2) Words and expressions used herein and not defined, but defined in the Act, shall have the meanings respectively assigned to them in the Act.

3. Entry in the Register :—

(1) Subject to the provisions of Sub-section (1) of Section 3 of the Act, the names of persons referred therein shall be entered in the register.

(2) A person shall be entitled to have his name entered in the register subject to his fulfilling the eligibility and other conditions laid down under Section 6 of the Act and regulations made thereunder by the Institute in this behalf.

4. Maintenance of the Register :—

(1) The Council shall maintain a register of the members of the Institute in the Form.

(2) The register shall include the particulars of every member of the Institute referred to in Sub-section (2) of Section 23 of the Act.

(3) The register shall be maintained digitally in soft form with adequate in built safety features for the protection of the data and particulars stored in the register and for proper updation, storage and retrieval of information contained therein to the satisfaction of the Council.

(4) The Register shall be updated from time to time so as to reflect therein the changes of postal address, telephone number, e-mail identity of the members and such other information in respect of members contained in the register.

(5) A member shall inform the Institute any change of his particulars contained in the register and on receipt of such information, the Council shall cause the updation of particulars in the register within a period of two months from the date of receipt of such information;

Provided that any accidental or inadvertent error or omission to update any change shall not invalidate the register.

5. Publication of List of Members :—

(1) The Council shall publish, each year, a list of members as on the 1st day of April, on or before the following 30th day of June.

(2) The list of members shall be published on the website of the Institute.

(3) The list of members shall contain the following information, namely :—

- (a) Name of member
- (b) Qualification of member
- (c) Membership status (Fellow or Honorary Fellow or Associate)
- (d) Year of attaining the membership status
- (e) Membership number

- (f) Address for Correspondence and contact details (including particulars of telephone and mobile phone numbers and e-mail ID) as on record.

(4) If any member makes a request in writing for the copy of the list of members, it may be made available to him on payment of such amount not exceeding two thousand five hundred rupees, as may be determined by the Council from time to time.

(5) A copy of the list of members may be made available to members in floppy of diskette, on receipt of a request in writing and on payment of an amount not exceeding two hundred fifty rupees, as may be determined by the Council from time to time.

5. Annual Membership Fees :—

The annual membership fees payable by members shall be an amount not exceeding ten thousand rupees per annum, as may be determined by the Council from time to time :

Provided that the annual membership fees payable by members having in the register, the address of correspondence outside of India shall be an amount not exceeding United States four hundred dollar per annum, as may be determined by the Council from time to time.

6. Re-entry in register of name of members :—

(1) The Council may, by order, re-enter the name of a member whose name has been removed from the register for reasons on any of the grounds referred to in clauses (b), (c), (d) and (e) of Section 24 of the Act after satisfying the conditions and requirements specified in this regulation.

(2) The Council may, on an application in writing from a member whose name has been removed from the register, re-enter his name, if he is otherwise eligible to enter his name in the register on payment of the fee specified in Sub Regulation (3).

Provided that the Council may, in case where the name of a member was removed under clause (c) of Section 24 of the Act, on receipt of an application complete in all respects in the same year in which the name was removed, re-enter the name of such member in the register with effect from the date on which it was removed.

(3) The fees payable for re-entry shall be equal to the amount of annual subscription for the year during which the name is re-entered in the register with the annual subscription for the year in which his name was removed.

(4) (a) The Council, on receipt of application for re-entry of name in the register where such name had been removed under clause (a) and (b) of Section 11 of the Act, shall refer the matter to the disciplinary committee constituted under Sub-section (1) of Section 26 of the Act.

(b) The Council may, on receipt of the report of the disciplinary committee referred to in clause (a), if it is cleared by the disciplinary committee and on fulfilling of the conditions and payment of penalty imposed by the such

committee, re-enter the name of such member in the register on payment of fee specified in Sub-regulation (3).

FORM

[See Regulations 4(1)]

Institute of Actuaries of India

REGISTER OF THE MEMBERS

Membership No. :
Name : First, Middle, Surname
Gender : M/F
Date of Birth : DD/MM/YYYY
Residential Address :
Residence Communication Details : Tel : Fax : E-mail : Mobile :
Professional Address :
Professional Communication Details : Tel : Fax : E-mail
Address for printing in the List of members : Residential/ Professional
Address for Communication : Residential/Professional
Membership Status : Fellow/Honorary Fellow/Associate
Other Qualifications :
Date of Admission as Member :
Date of Admission to the Current Membership Class :
Certificate of Practice valid upto :
Area of Practice :
Last subscription paid for the year : (YY-YY) e.g. 07-08
Disciplinary action, if any, against the member :
Nature of penalty; Date of imposition of penalty :
Other details, if any.

A. G. D. WAGLE
Secy. General

No. M-18012/03/2008-Ins.III—The following draft regulation which the Council of the Institute of Actuaries of India, proposes with the previous approval of the Central

Government is hereby published as required under Sub-section (1) of Section 56 of the Actuaries Act, 2006 (35 of 2006), for the information of all persons likely to be affected thereby; and notice is hereby given that the said draft regulation will be taken into consideration after the expiry of the forty-five days from the date on which the Official Gazette in which the notification is published are made available to the public;

Objections or suggestions may be forwarded to the Secretary General, Council of the Institute of Actuaries of India, 302, Indian Globe Chambers, 142, Fort Street, Mumbai-400001.

Objections or suggestions which may be received from any person in respect of the said draft regulation before the expiry of the said period, will be taken into consideration by the Council of the Institute of Actuaries of India.

DRAFT REGULATION

In exercise of the powers conferred by clauses (k), (l) and (m) of Sub-section (2) of Section 56 of the Actuaries Act, 2006 (35 of 2006), the Council of the Institute of Actuaries of India, with the previous approval of the Central Government, hereby makes the following regulations, namely :—

1. Short Title and Commencement :—

(1) These regulations may be called the Institute of Actuaries of India (Maintenance of Register, Publication of List, and Re-entry of names in Register, of Members) Regulations, 2010.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Definitions :—

(1) In these regulations, unless the context otherwise requires,—

(a) "Act" means the Actuaries Act, 2006 (35 of 2006);

(b) "Council" means the Council of the Institute;

(c) "Institute" means the Institute of Actuaries of India constituted under section 3 of the Act;

(d) "President" means the President of the Council.

(2) Words and expressions used herein and not defined, but defined in the Act, shall have the meanings respectively assigned to them in the Act.

3. Meetings of Council :—

The Council shall meet at least four times in every year at such time and place as the President may decide :

Provided that the time gap between two meetings shall not exceed one hundred twenty days.

4. Special meeting of Council :—

(1) The President or in his absence the Vice-President may, at any time, call a special meeting of the Council.

(2) A special meeting of the Council may at any time be called at the request in writing addressed to the Secretary by not less than one-fourth of the members of the Council for the time being:

Provided that a special meeting referred to in this Sub-regulation shall be called within forty-five days of the date of the receipt of the such request.

(3) The request referred to in Sub-Regulation (2) shall set out a statement of the business for consideration of which the special meeting is to be called and shall be the agenda of such special meeting:

Provided that in a special meeting so called no business, other than those mentioned in the agenda shall be transacted.

5. Notice of meeting of Council :—

A notice of the time and place of a meeting shall be sent to the registered address of every member of the Council, either by post under certificate of posting or electronically, not less than seven days before the date of such meeting and such notice shall contain a statement of the business to be transacted at the meeting.

(2) The Council may in any of its meeting, other than a special meeting, consider any business other than those mentioned in the agenda, with the permission of the Chairman of which no prior notice had been given to the members of the Council, if at least two-third of the members of the Council are present at the meeting.

(3) The validity of any decision of the Council on any item considered at a validity convened meeting of the Council shall not be called in question merely because notice of the said item had not been given to the members who did not attend the said meeting.

6. Chairman of meeting :—

The President or in his absence, the Vice-President, or in absence of both, a member elected from amongst the members present, shall preside over the meeting of the Council.

7. Quorum at meeting

(1) One-fourth of the total members of the Council shall constitute the quorum for a meeting of the Council.

(2) If, the quorum is not present within half an hour from the time appointed for the meeting, the meeting shall stand adjourned to such time, date and place as the Chairman of the meeting may appoint.

(3) No quorum shall be required for the meeting adjourned under sub-regulation (2).

8. Adjournment of meeting :—

(1) Subject to the provisions of these regulations, the Chairman of a meeting of the Council, may, with the consent of majority of members present at a meeting, adjourn the meeting from time to time and place as he may decide and no business shall be transacted at any adjourned meeting other than the business left unfinished at such meeting.

(2) No notice may be given of an adjourned meeting unless it is so directed by the resolution for adjournment.

9. Procedure for Transaction of Business :—

(1) The business of the Council shall ordinarily be transacted at a meeting of the Council.

(2) Notwithstanding any thing contained in Sub-Regulation (1), the President, or in his absence the Vice-President, may, in an appropriate case, circulate a resolution alongwith all relevant papers to the members of the Council for decision of any question.

Provided that if one-fourth of the members of Council require that any resolution circulated be decided at a meeting, the President, or the Vice-President, as the case may be, shall withdraw the resolution alongwith the relevant papers from circulation and have the resolution considered at a meeting of the Council.

(3) Where the resolution relating to any question are circulated among the members, a period of not less than fifteen days, commencing from the date of circulation of such resolution shall elapse before any decision is taken on the question:

Provided that a decision may be taken before the expiry of such period if the opinion of not less than three fourth of the members of the Council of the time being in office is received earlier.

(4) The circulation of resolution alongwith all relevant papers may be sent to members of the Council either in electronic mode or by post under certificate of posting.

(5) Every resolution passed by circulation shall be communicated to all the members of the Council and shall be noted at the next meeting of the Council.

10. Decision in a Meeting :—

At a meeting of the Council, the decision shall be taken by a majority of votes of members present and in case of equality of votes, the Chairman of such meeting shall have a casting vote.

11. Minutes of Council Meetings :—

(1) The minutes of every meeting of the Council shall be recorded by the Secretary, and in the absence of the Secretary, the minutes shall be recorded by such other member of the Council as may be decided by the Chairman of the meeting.

(2) The minutes of such meetings, after having been approved by the members and signed by the Chairman of the next meeting, shall be sufficient evidence of the proceedings of the meeting.

A. G. D. WAGLE
Secy. General

EMPLOYEES' STATE INSURANCE CORPORATION

New Delhi, the 30th June 2010

No. N-15/13/1/2/2010-P&D—In pursuance of powers conferred by Section 46 (2) of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), read with Regulation 95-A of the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950, the Director General has fixed the 1st June, 2010 as the date from which the medical benefits as laid down in the said Regulation 95-A and the Andhra Pradesh Employees' State Insurance (Medical Benefit) Rules, 1955 shall be extended to the families of insured persons in the following area in the State of Andhra Pradesh namely :—

"ALL THE AREAS FALLING WITHIN THE REVENUE VILLAGE OF SAMPATHPURAM IN ANAKAPALLE Mandal of VISAKHAPATNAM DISTRICT OF ANDHRA PRADESH."

R. C. SHARMA
Dir. (P&D)

Kolkata-12, the 11th May 2010

No. U.13/12/PTMR/(1)/SSMC/2010—In pursuance of the resolution passed by ESI Corporation at its meeting on 25.04.1951 conferring up on the Director General the powers of the Corporation under Regulation 105 of ESI (General) Regulation, 1950 and such power further delegated to SSMC/SMC vide D.G's order Vide Hqrs. Office letter No. U.13/12/13/2005-Med.I/PTMR dated 09.09.08 the undersigned hereby authorize the following doctors to function as Medical Authority at a monthly remuneration in accordance with the norms w.e.f. the date given below or till a full time Medical Referee joins, whichever is earlier, for centre as stated below to the areas as allocated for the purpose of medical examination of the IPs and grant of further certificates to them when the correctness of the original certificate is in doubt :—

Sl. No.	Name of the Doctors	Period	Name of Centre
1.	Dr. H. K. Sarma	From 01.01.10 to 31.12.10 or till full time MR is joined	Guwahati
2.	Dr. Subhas Chandra Chakrabarty	From 19.05.10 to 31.12.10 or till full time MR is joined	Kolkata

S. K. CHOUDHURY
Sr. State Medical Commissioner (EZ)